हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 4 जनवरी 2026

11 गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन का...

12 60 में से 53 कर्मी का एरियर भुगतान अटका...

सीएम से मिली मंजूरी नारनौल नगर परिषद में मंजूरी का पत्र मिलने के बाद शुरू होगा कार्य

डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की तैयारी, 2 नहीं 5 साल के लिए 12.5 करोड़ का छोड़ा टेंडर, फरीदाबाद की एजेंसी को मिला कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नगर परिषद में इस समय करीब 200 सफाई कर्मचारी है। इन्हें शहर को बांटे गए चार जोन में लगाया गया है। इनमें सात दरोगा है। जिनमें दरोगा रामौतार के पास 13, दरोगा प्रताप के पास 22, दरोगा नरेश के पास 18, दरोगा राहुल के पास 25, दरोगा भूपेंद्र के पास 18, दरोगा महेंद्र सिंह के पास 27 और दरोगा महेंद्र दायमा के पास 64 सफाई कर्मचारी काम कर रहे है।

कुछ सफाई कर्मचारी अधिकारी व नेताओं की कोठियों में काम कर रहे

कुछ सफाई कर्मचारी अधिकारी व नेताओं की कोठियों में काम कर रहे है। इसके बावजूद शहर स्वच्छ नहीं होने की बात कहकर डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए एजेंसी को कार्य दिया जाता है। इस बार यह टेंडर 12.5 करोड़ में पांच साल के लिए छोड़ा गया है। बड़ी राशि होने के कारण इसकी मंजूरी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से मिली। फरीदाबाद की जिस एजेंसी को यह ठेका मिला है, उसे एक जनवरी को काम शुरू कर देना चाहिए था। बताया जा रहा है कि 10 जनवरी के बाद यह एजेंसी शहर में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन कार्य शुरू करेगी।

जानकारी के मुताबिक नारनौल शहर अभी महानगरों की तरह नहीं उभरा है। अभी भी शहर के करीब 60 फीसदी हिस्से में घर की महिलाएं ही सुबह सवेरे सफाई करती है। करीब 40 फीसदी ऐसा क्षेत्र है जहां ऐसा नहीं होता। शहर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था शुरू की गई है। पिछली बार डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य जिस एजेंसी का दिया गया था, उसके टेंडर की दो साल की अवधि जून-2025 में पूरी हो गई थी। नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू नहीं होने की वजह से उसी एजेंसी को कार्य सौंप दिया गया ताकि शहर में सफाई व्यस्था ना बिगड़े। कई बार टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई, पर शर्तों में बदलाव और राशि भुगतान में देरी के कारण एजेंसी को बीच में कई बार कार्य बंद करना पड़ा था।

क्या कहते हैं जेई

नगर परिषद में सफाई शाखा के कनिष्ठ अभियंता विकास शर्मा ने बताया कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य इस बार पांच साल के लिए एजेंसी को सौंपा गया है। यह फरीदाबाद की एजेंसी है। इसकी मंजूरी कुछ दिनों पहले ही सरकार ने देने की घोषणा की थी। अभी मंजूरी संबंधित पत्र नगर परिषद को नहीं मिला है। पत्र मिलते ही संबंधित एजेंसी से शहर में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन कार्य शुरू करवाया जाएगा। शहरवासी भी इस कार्य में नगर परिषद प्रशासन का सहयोग करें।

दूसरी तरफ, नए टेंडर प्रक्रिया की दरें सरकार स्तर से स्वीकृत न होने के कारण नगर परिषद को मजबूरन पुरानी एजेंसी से ही कार्य करवाना पड़ा था। हर बार की तरह दो साल की बजाय इस बार पांच साल के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का टेंडर छोड़ा गया है।

संसाधनों में वृद्धि करने की जरूरत, तभी बनेगी बात

डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य पहले जिस एजेंसी को दिया हुआ था, उसके बाद 31 टैम्पो, पांच ट्रैक्टर-ट्राली और एक लोड मशीन थी। इसी से वह शहर के 31 वार्डों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन कार्य कर रही थी। इतने कम संसाधनों की वजह से सफाई व्यवस्था बिगड़ी हुई थी। कारण, शहर में ऐसे कई वार्ड है, जिनका दायरा बहुत बड़ा है। शहर के इर्द-गिर्द कई गांवों को शहर में जोड़ने की वजह से उन शहरी गांव में सफाई व्यवस्था बिगड़ी हुई है। पार्षदों के बार बार विरोध करने और आमजन की परेशानी को भांपते हुए इस बार पांच साल का टेंडर छोड़ा गया है। ऐसे में अब सवाल उठता है कि अगर पुरानी एजेंसी की तरह ही अब जिस एजेंसी को काम सौंपा गया है, संसाधन कम रहेंगे तो सफाई व्यवस्था काबू में नहीं आएंगी। इसके लिए एजेंसी को संसाधनों में वृद्धि करनी होगी ताकि व्यापक स्तर पर सुधार हो सके।

खबर संक्षेप

सेहलंग में माता खिमज का मेला 25 को

कनीना। गांव सेहलंग में 25 जनवरी को माता खिमज के धार्मिक मेले का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण सत्यवीर यादव ने बताया कि पहाड़ी पर आयोजित होने वाले इस मेले में क्रिकेट, वॉलीबॉल, नेशनल कबड्डी व कुश्ती आदि प्रतियोगिताएं होगी। जिनमें विजेता व उपविजेता टीमों को नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेले से पूर्व 24 जनवरी को सुबह 11 बजे से सांग होगा तथा 25 जनवरी को सुबह 10 बजे से गायक कलाकार धार्मिक भजन प्रस्तुत करेंगे।

यातायात नियमों की जानकारी दी

सतनाली मंडी। गांव सुरेहती पिलानिया स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे एनएसएस शिविर के तीसरे दिन सतनाली थाना से इंस्पेक्टर अनिल कुमार मुख्य अतिथि रहे व हरियाणा ग्रामीण बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक महावीर प्रसाद मीणा विशिष्ट अतिथि रहे। इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने स्वयंसेवकों को यातायात नियमों की जानकारी दी। इस मौके पर प्रवक्ता मंजू, रजनेश, सुनील शर्मा आदि उपस्थित रहे।

साइबर सिक्योरिटी की जानकारी दी

महेंद्रगढ़। राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ढ़ाढोत में चल रहें पांच दिवसीय स्किल कैंप के तीसरे दिन विद्यार्थियों को साइबर सिक्योरिटी, एआई से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पूर्व कार्यरत एवं कैमिनूकेशन स्कील एक्सपर्ट लालसिंह व अरूण सिंह मुख्यातिथि व अध्यक्षता प्राचार्य अजीत सिंह ने की। गणित प्रवक्ता सतन सिंह ने बताया कि कैंप के तीसरे दिन विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, एआई सहित स्लाद, डेकोरेशन, अचार बनाना आदि के बारे में जागरूक किया गया।

6 से 14 तथा 16 से 19 साल तक के बच्चों को स्कूल तक पहुंचाना सर्वे का उद्देश्य

स्कूलों के ड्रॉप आउट और आउट ऑफ बच्चों को स्कूल पहुंचाने के लिए सर्वे शुरू

अभियान एक जनवरी से नौ जनवरी के मध्य चलेगा तथा इसके बाद 15 जनवरी तक इसे कलस्टर, ब्लॉक, जिला एवं स्टेट लेवल पर समायोजित किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राज्य के शिक्षा विभाग ने स्कूलों के ड्रॉप आउट एवं आउट ऑफ बच्चों को स्कूल पहुंचाने के लिए सर्वे शुरू किया है। यह सर्वे पहली जनवरी से नौ जनवरी तक चलेगा। इसमें 6 से 14 तथा 16 से 19 साल तक के बच्चों का सर्वे किया जाएगा। इस सर्वे का उद्देश्य शिक्षा को शत-प्रतिशत बच्चों तक लागू करना है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशानुसार शिक्षा विभाग पिछले सालों की भांति इस बार भी ड्रॉप आउट एवं आउट ऑफ बच्चों को स्कूलों तक पहुंचाने लिए सर्वे अभियान चला रहा है। यह अभियान वैसे तो एक जनवरी से नौ जनवरी के मध्य चलेगा तथा इसके बाद 15 जनवरी तक इसे कलस्टर, ब्लॉक, जिला एवं स्टेट लेवल पर समायोजित किया जाएगा। उसके बाद पूरे स्टेट का ऐसे बच्चों का आंकड़ा सामने आ सकेगा, जिन्होंने या तो स्कूल में एडमिशन लेकर जाना छोड़ दिया है या फिर भी स्कूल गए ही नहीं। जबकि आयु 6 वर्ष या इससे ऊपर होती जा रही है। इस सर्वे का लक्ष्य शिक्षा सत्र 2026-27 तक सभी 6-14 आयु वर्ग के बच्चों को स्कूलों में लाने का लक्ष्य है। यहां यह भी बता दें कि वर्तमान में प्रदेश में सरकारी स्कूलों की छुट्टी चल रही है और शिक्षक इस शीतकालीन अवकाश में घर पर थे, लेकिन सरकार ने इन्हें घर से बाहर निकलकर अपने-अपने एरिया के अधीन क्षेत्र में जाकर ऐसे बच्चों की खोजबीन करना है, जो शुरू किया जा रहा है। इस कार्य में प्राइमरी टीचरों के साथ-साथ स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर यानि एसटीसी के टीचरों को भी लगाया गया है।

पिछले साल की स्थिति

शिक्षा सत्र 2025-26 में सर्वे के दौरान महेंद्रगढ़ जिले में 430 बच्चे चिह्नित किए गए थे, जिस पर जिले को 14 एसटीसी मिले थे। 25 बच्चों पर एक सेंटर खोला जाता है, लेकिन बाद में आठ ही खोले गए, क्योंकि बीते वर्ष में बरसात का लंबा दौर चला था और जो बच्चे चिह्नित हुए, वे अपने अभिभावकों के साथ दूसरे राज्यों में बने अपने घरों को लौट गए थे और लंबी बारिश के कारण वापस नहीं आए थे। मगर उन 430 बच्चों में से इस साल 162 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं।

नारनौल। एसटीसी पर मौजूद बच्चे एवं टीचर। फोटो : हरिभूमि

यह कहते हैं नोडल इंचार्ज

सर्वे का कार्य टीचरों को सौंपा गया है। अब घर-घर जाकर वह सर्वे करेंगे। सर्वे उपरांत रिपोर्ट तैयार करके कलस्टर पर सौंपी जाएगी। उसके बाद जिला स्तर की रिपोर्ट भी तैयार होगी, जिसके आधार पर ही पता चल सकेगा कि इस बार कितने बच्चे इस सर्वे में चिह्नित हुए हैं।
-अशोक शर्मा, नोडल इंचार्ज, नारनौल

नौ तक देनी है सर्वे रिपोर्ट

सर्वे कार्य में लगे टीचरों को नौ जनवरी तक रिपोर्ट तैयार करनी होगी। फिर यह रिपोर्ट कलस्टर स्तर पर देनी होगी। एक कलस्टर में 15 से 20 तक स्कूल आते हैं। कलस्टर पर रिपोर्ट 12-13 जनवरी को बनने के बाद इसे खंड, जिला स्तर पर भी तैयार किया जाएगा। जहां से जिले की रिपोर्ट तैयार कर स्टेट को भेजी जानी है। महेंद्रगढ़ जिले में शिक्षा विभाग के पांच ब्लॉक बने हुए हैं। फिर इस रिपोर्ट को 19 जनवरी को हैडक्वार्टर को भेजा जाएगा।

ब्रीज कोर्स कराएंगे या फिर परीक्षा

इस सर्वे के आधार पर जो बच्चे सामने आएंगे, उनमें से 7-14 साल तक के बच्चों को ब्रीज कोर्स कराया जाएगा और इस कोर्स के आधार पर उन्हें 6 लेवल तक की कक्षा में एडमिशन दिया जाएगा। यदि बच्चे 16-19 साल के हैं तो उन्हें 10वीं या 12वीं की परीक्षा हरियाणा ओपन बोर्ड से यह परीक्षाएं दिलवाई जाएंगी। इन्हें स्पेशल ट्रेनिंग सेंटरों पर पढ़ाई की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

क्या होते हैं एसटीसी सेंटर

एसटीसी यानि स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर, यह वह सेंटर होते हैं, जो स्कूलों से ड्राप आउट बच्चों को दोबारा से पढ़ाई करने का अवसर प्रदान करते हैं। इनके टीचर भी स्पेशल होते हैं। इन सेंटरों में ज्यादा अप्रवासी मजदूरों के बच्चे, ईंट-भट्टों एवं गाड़िया लुहार जहां रहते हैं, उस एरिया में खोले होते हैं और उनके बच्चे ही ज्यादातर पढ़ने आते हैं।

दिनदहाड़े मकान से जेवरात और डेढ़ लाख रुपये चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर के मोहल्ला तिवाड़ियान में चोरों ने दिनदहाड़े एक बंद मकान से सोने, चांदी के जेवरात व करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरी के दौरान परिजन किसी के घर में भोजन करने के लिए बाहर गए थे। जब वह वापिस आए तो चोरी देकर दंग रह गए। पीड़ित ने सिटी पुलिस थाने में शिकायत देकर चोर को पकड़ने की मांग की है।

पीड़ित राधेश्याम ने सिटी पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि बीती दो जनवरी को दिन के समय करीब 11 बजे वह अपनी पत्नी के साथ कपिल स्कूल के पास राजू पंडित के घर भोजन करने के लिए गए थे। जब हम करीब डेढ़ घंटे बाद घर वापस आए तो घर का ताला टूटा हुआ और सामान बिखरा हुआ मिला। अलमारी का सामान भी बिखरा हुआ था। जब सामान चेक किया तो 10 ग्राम की सोने की एक चेन, तीन ग्राम की दो अंगूठी व कान की बाली, एक जोड़ी पुरानी पायल, दो चांदी के सिक्के व लगभग एक लाख 50 हजार रुपये अलमारी से गायब मिले।

अज्ञात नाम पता नामालूम चोर घर से दिन के समय घुसकर चोरी कर ले गए। पीड़ित ने चोर को पकड़ने की मांग की है। पुलिस ने केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने घर में रेड कर पकड़ी अवैध शराब

मंडी अटेली। पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विशेष स्पेशल चेकिंग अभियान के तहत गांव बिहाली में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि बिहाली निवासी मनोज अपने घर पर अवैध शराब बेच रहा है। अटेली थाना के सब इंस्पेक्टर राम लखन सिंह एवं उनकी टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मनोज के घर से 20 देसी शराब की बोतलें एवं 18 अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद की गई। पुलिस द्वारा जब मनोज से शराब से संबंधित कागजात मांगे गए तो वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। अटेली पुलिस ने आरोपित को मौके से गिरफ्तार कर मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी।

बाइक व कार की टक्कर में एक घायल

मंडी अटेली। फैजाबाद-कनीना सड़क मार्ग पर सिहमा लगभग दोपहर 12 बजे गलत साइड आ रहे एक बाइक सवार ने गाड़ी में टक्कर मार दी। गाड़ी चालक ने समझदारी दिखाते हुए गाड़ी को सड़क से नीचे उतार दी, जिसके चलते बाइक सवार हल्की सी चोट आई। टक्कर की आवाज सुनकर मौके पर गांव वाले पहुंचकर बाइक युवक को प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा में इलाज के लिए भर्ती कराया। कार सवार दो युवक मेघोत बिंजा निवासी अटाली में रिश्तेदारी में किसी काम से जा रहे थे। तभी सामने से गलत साइड आ रही मोटरसाइकिल ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गाड़ी की एयरबैग भी खुल गए। इस दौरान मौके पर काफी देर तक अफरातफरी मची हुई थी।

मंडी अटेली। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार एवं बाइक।

लोक निर्माण विभाग के रेस्ट हाउस की फिर जगी उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

वर्ष 2019 में रेस्ट हाउस के नए भवन के निर्माण की नींव तत्कालीन मंत्री रामबिलास शर्मा और राव नरबीर ने रखी थी। लंबा समय बीत जाने के बाद भी इसके निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ है। एक तरफ जहां जिला प्रशासन की तरफ से इस बारे सभी आवश्यक प्रक्रिया पूरी करके पंचायत विभाग के निदेशक को इस बारे केस भी भेज दिया था, परंतु इस बारे कोई कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। सांसद धर्मबीर सिंह ने इसी वर्ष मई माह में पंचायत विभाग के महानिदेशक को पत्र भी लिखा था। पत्र के बाद पंचायत विभाग पुनः हरकत में आया तथा नए सिरे से केस जिला उपायुक्त कार्यालय की तरफ से केस बनाकर भेजा गया है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान इस विषय में हो रही देरी को लेकर सांसद ने ध्यान भी दिलाया। ऐसे में अब फिर से शहर में लोक निर्माण विभाग के रेस्ट हाउस के नए भवन के निर्माण की उम्मीद जगी है।

सांसद की पैरवी के बाद विभाग ने पुनः भेजा प्रस्ताव

इस संबंध में विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि महेंद्रगढ़ के गांव पायगा में ये नया रेस्ट हाउस बनेगा। इसके लिए गांव की पंचायत की तरफ से 15 कनाल 17 मरला जमीन दिए जाने का प्रस्ताव भी दे दिया है। वर्ष 2019 में ही इसके नव निर्माण के लिए लगभग 6.3 करोड़ रूपये मंजूर हो गए थे। जमीन के लिए भी 1.36 करोड़ रूपये की स्वीकृति आ गई थी। वर्तमान रेस्ट हाउस शहर के बीचों-बीच स्थित है तथा बहुत पुराना भी हो गया है।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान को लेकर सरपंचों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान को लेकर सरपंचों के साथ महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्रभारी डॉ. राहुल एवं डॉ. कृष्ण गोठवाल द्वारा की गई। बैठक में सरपंचों के साथ प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा के अंतर्गत कार्यरत सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों ने भाग लिया। नर्सिंग ऑफिसर अजय ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गांव स्तर पर टीबी रोगियों की पहचान समय पर जांच, उपचार की शुरुआत तथा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन इस अभियान की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रभारी डॉ. राहुल ने बताया कि ग्राम पंचायतों को स्वस्थ, समृद्ध व खुशहाल बनाने के लिए जरूरी है कि पहले उन्हें टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से मुक्त बनाया जाए। वहीं टीबी की जांच एवं उपचार सभी सरकारी स्वास्थ्य अस्पतालों निःशुल्क उपलब्ध है। ग्राम पंचायतों के सहयोग से ही टीबी जैसी गंभीर बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सकता है। टीबी के लक्षण दिखने वाले मरीजों की तुरंत जांच कराएं एवं टीबी की पुष्टि होने पर बिना देरी इलाज शुरू करवाएं। मौके पर सिहमा सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव, गुवानी सरपंच प्रतिनिधि दिनेश यादव, सागरपुर सरपंच सुबेसिंह, दुलोठ जाट सरपंच प्रीतम, डॉ. विद्या, डॉ. पूजा, डॉ. महेश डा. तनुज, शकुंतला, सुदेश, पंकज, पवन, अनिल आदि मौजूद थे।

मंडी अटेली। बैठक में भाग लेते सरपंच। फोटो : हरिभूमि

25 एकड़ की जमीन पर 151 कुंडीय चंडी महायज्ञ व श्रीराम कथा का होगा आयोजन

23 से 30 जनवरी तक नारनौल में होगा संत समागम

आर्यवर्त सेवा न्यास है आयोजक, तैयारियां जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

आर्यवर्त सेवा न्यास की ओर से शहर में नजदीक श्रीश्याम मंदिर जौरासी धाम में 23 से 30 जनवरी तक आयोजित होने वाले भव्य आध्यात्मिक अनुष्ठान को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। इस दिव्य आयोजन के अंतर्गत श्रीराम कथा एवं 151 कुण्डीय सहस्र चण्डी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। श्रीराम कथा के लिए व्यास पीठ पर जगतगुरु रामभद्राचार्य होंगे। एक सप्ताह तक चलने वाली श्रीराम कथा के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी कपिल भारद्वाज ने बताया कि आर्यवर्त सेवा न्यास के तहत करवाए जा रहे इस धार्मिक अनुष्ठान में शहर की अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं भी सक्रिय सहयोग प्रदान कर रही हैं। इनमें श्रीश्याम मस्ताने परिवार ने श्रद्धालुओं के लिए भोजन व्यवस्था एवं प्रसाद वितरण का दायित्व संभाला है। वहीं, ग्राम जौरासी की ग्राम पंचायत इस आयोजन के लिए 25 एकड़ भूमि उपलब्ध करवाई गई है, जो इस महाआयोजन के प्रति सामूहिक सहभागिता और सहयोग की भावना को दर्शाती है।

नारनौल। 25 एड़क में तैयार हो रहा पंडाल। फोटो : हरिभूमि

25 एकड़ जमीन पर लगेगा पंडाल

श्रीश्याम मंदिर जौरासी में आयोजन स्थल पर करीब 25 एकड़ जमीन पर पंडाल लगाने का काम शुरू कर दिया गया है तो वहीं आयोजन स्थल के चारों ओर बैरिकेडिंग (मास्किंग) का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी कपिल भारद्वाज के मुताबिक महायज्ञ हेतु बनाई जा रही यज्ञशाला का काम भी लगभग पूरा होने को है।

बिना पास प्रवेश नहीं यहां करें पंजीकरण

श्रीराम कथा, कलश यात्रा एवं महायज्ञ में सहभागिता के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण पंजीकरण श्रीश्याम मंदिर जौरासी धाम पहुंच रहे हैं। आपको बता दें कि सीमित स्थान को ध्यान में रखते हुए आयोजन में प्रवेश केवल पंजीकरण एवं वैध पास के माध्यम से ही दिया जाएगा। बिना पास के किसी भी प्रकार का प्रवेश मान्य नहीं होगा। पंजीकरण की सुविधा श्रीश्याम मंदिर जौरासी धाम में उपलब्ध है जोकि पूर्ण रूप से निःशुल्क है। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नारनौल के हुड्डा सेक्टर 1 स्थित श्री चमत्कारी बालाजी मंदिर में भी पंजीकरण किया जा रहा है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे समय रहते पंजीकरण कराएं तथा आयोजन से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए इस पावन आध्यात्मिक अनुष्ठान का लाभ प्राप्त करें। श्री रामकथा, 151 कुंडीय सहस्र चंडी महायज्ञ एवं कलश यात्रा (23 जनवरी-30 जनवरी 2026) के रजिस्ट्रेशन एवं पास संबंधी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए वेबसाइट **www.aaryawart.com/ramkatha** पर पंजीकरण करवाएं जोकि पूर्ण रूप से निःशुल्क है।

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

▶▶ स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट

▶▶ 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता
▶▶ बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- स्थिरता और कम जोखिम
- लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

■ शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम
■ अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभानाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

●बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ●अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव●एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याद्दाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती।"

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

खबर संक्षेप

शिक्षकों को दिया लाइफ स्किल प्रशिक्षण

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार शिक्षकों के लिए लाइफ स्किल्स पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक बनाना था। कार्यक्रम के दौरान प्रिया मिश्रा व अमित दहिया द्वारा शिक्षकों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि आज के समय में केवल किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में जीवन कौशल का विकास अत्यंत आवश्यक है। ग्रुप वाइस-चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस-चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव ने सभी शिक्षकों को प्रोत्साहित किया।

टैगोर स्कूल में नशा मुक्ति अभियान जारी

महेंद्रगढ़। टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के तीसरे दिन नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पूर्व सैनिक सूबेदार कृष्ण कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर का आयोजन एनएसएस अधिकारी सुनील कुमार द्वारा प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह की देखरेख में किया जा रहा है। मुख्यातिथि पूर्व सूबेदार कृष्ण कुमार ने कहा कि अनुशासन, संयम और सकारात्मक सोच ही नशे से दूर रहने का सबसे सशक्त माध्यम है। डायरेक्टर राहुल यादव एवं सीईओ डॉ. निशा यादव ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यदुवंशी स्कूल में एनएसएस शिविर तीसरे दिन भी जारी

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के तीसरे दिन एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चौधरी वीरेंद्र सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की तथा एनएसएस के स्वयंसेवकों को नशा मुक्ति के महत्व तथा स्वामी विवेकानंद के जीवन, विचारों और आदर्शों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वक्ता डॉ. रामपाल व एनएसएस अधिकारी अनूप यादव ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव व वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव ने शिविर के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष पांच छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि एनएसएस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की भावना है।

महाराणा प्रताप नगर में माता की चौकी सम्पन्न

नारनौल। टाईगर क्लब परिवार के तत्वावधान में शुक्रवार रात को मोहित बंसल के निवास स्थान मोहल्ला महाराणा प्रताप में माता की चौकी का आयोजन किया गया। माता की चौकी का आयोजन मोहित बंसल परिवार ने बेटे जयेश बंसल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में करवाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता टाईगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव, कार्यक्रम संयोजक नवीन वशिष्ठ, जयप्रकाश अग्रवाल, कैलाश नंबरदार ने की। चौकी में मुख्य यजमान मोहित बंसल सपत्नीक रहे। गणेश वंदना धारू ने व माता का आह्वान नवीन वशिष्ठ ने किया। इस मौके पर नारायण शास्त्री, प्रवीण यादव, ललित सैनी, परमानंद वर्मा, उप प्रधान सुरेंद्र आदि मौजूद थे।

संगतों व श्रद्धालुओं ने लंगर का छककर आनंद लिया

गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन का आयोजन

शहर में कई स्थानों पर श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर किया शोभा यात्रा का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर में शनिवार को दशम पातशाह गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शहर में भव्य नगर कीर्तन (शोभा यात्रा) का आयोजन श्रद्धा व उत्साह के साथ किया गया। नगर कीर्तन धन-धन गुरु ग्रंथ साहिब की रहनुमाई एवं पंज प्यारों की अगुआई में गुरुद्वारा दशमेश नगर से प्रारंभ हुआ। नगर कीर्तन शब्द कीर्तन गायन करते हुए शहर के प्रमुख मार्गों पुल बाजार, मानक चौक, गांधी बाजार, आजाद चौक, मोहल्ला चौधरीयान से होकर गुरुद्वारा गुरुनानकपुरा पहुंचा। गुरुद्वारा साहिब पहुंचने पर गुरु के अटूट लंगर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में संगतों व श्रद्धालुओं ने लंगर छककर आनंद लिया।

नगर कीर्तन के स्वागत में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों व शहरवासियों ने जगह-जगह प्रसाद, सूखे मेवे, बिस्कुट, चाय, ब्रेड पकौड़े, फल, दूध, चावल पुलाव व हलवे आदि की सेवा लगाई। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई तथा पंज प्यारों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब की सवारी के सम्मान में गांव किरारोद की संगत की ओर से मार्ग को पानी से साफ करने का दृश्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। रेवाड़ी से आई गतका पार्टी ने हैरतअंगेज करतब दिखाए, वहीं श्री गुरु गोबिंद सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों के बैंड ने रूहानी धुनों से संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नारनौल। झांकी निकालते समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम का दिया न्योता

इस अवसर पर गुरुद्वारा दशमेश नगर के सचिव सरदार गुरमीत सिंह संधू ने नगरवासियों को बधाई देते हुए पांच जनवरी को गुरुद्वारा दशमेश नगर में होने वाले मुख्य कार्यक्रम आसा दी वार, कीर्तन दरबार तथा संगरूर (पंजाब) से पधार रही बीबी रणजीत कौर के ढाढ़ी जत्थे के कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया। सिंह सभा के सचिव सरदार सुरजीत सिंह अरोड़ा ने चार जनवरी को गुरुद्वारा सिंह सभा गुरु नानक पुरा में आयोजित कीर्तन दरबार में भाग लेने की अपील की।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में एग्जीक्यूटिव सदस्य हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी सरदार तेजिंदर पाल सिंह, सरदार हरबंस सिंह, पूर्व प्रधान सरदार प्रकाश सिंह, सरदार गुरमेल सिंह संधू, सरदार मनमोहन सिंह चावला, सरदार जगमोहन सिंह चावला, सरदार अमरजीत सिंह रंधावा, बीबी रत्न कौर, बीबी प्रभ सिमरण कौर, सरदार जोगिंद्र सिंह चहल, संजय शर्मा, राकेश कुमार, सरदार सर्वजीत सिंह, सरदार प्रिंस रंधावा, प्रिंस अरोड़ा, मनदीप सिंह चावला, अमनदीप सिंह सहित शहर व आसपास के गांवों की गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों तथा संगतों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

गरीबों के लिए मसीहा साबित हो रही है हस्तीदेवी जनकल्याणार्थ समिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हस्तीदेवी जनकल्याणार्थ समिति न केवल वर्तमान की जरूरतों को पूरा कर रही है, बल्कि एक सशक्त, शिक्षित और संवेदनशील समाज के निर्माण की मजबूत नींव भी रख रही है

समिति अध्यक्ष डॉ. पवित्रा राव

जिले के सामाजिक और शैक्षणिक इतिहास में 11 मार्च 2024 का दिन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनकर दर्ज हो गया, जब श्रीमती हस्तीदेवी जनकल्याणार्थ समिति का भव्य शुभारंभ हुआ। यह संस्था केवल एक गैर-सरकारी संगठन एनजीओ नहीं, बल्कि समाज के वंचित, जरूरतमंद और उपेक्षित वर्ग के लिए आशा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनकर उभरी है। इस जनकल्याणकारी संस्था की स्थापना का उद्देश्य समाज के हर उस व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है, जो किसी न किसी कारण से मुख्यधारा से पीछे छूट गया है। संस्था की अध्यक्ष डॉ. पवित्रा राव के नेतृत्व में यह एनजीओ सेवा, समर्पण और सामाजिक दायित्व की मिसाल बन चुकी है।

नारी सशक्तिकरण की सशक्त आवाज

डॉ. पवित्रा राव आज केवल एक नाम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नारी शक्ति का सशक्त हस्ताक्षर हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि महिला नेतृत्व यदि संवेदनशीलता और दूरदृष्टि से जुड़ा हो, तो समाज में स्थायी परिवर्तन संभव है। समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी विचारधारा के साथ उन्होंने श्रीमती हस्तीदेवी जनकल्याणार्थ समिति की नींव रखी और इसे एक बहुआयामी सामाजिक आंदोलन का रूप दिया।

80 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा

संस्था की सबसे बड़ी और सराहनीय उपलब्धि है। 80 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना। ये वे बच्चे हैं, जो आर्थिक तंगी, सामाजिक परिस्थितियों या संसाधनों की कमी के कारण पढ़ाई से वंचित रह जाते। संस्था न केवल शिक्षा उपलब्ध करा रही है, बल्कि बच्चों को पाठ्य सामग्री, मार्गदर्शन, नैतिक शिक्षा और आत्मविश्वास भी प्रदान कर रही है, ताकि वे भविष्य में समाज के सशक्त नागरिक बन सकें।

समाज के लिए प्रेरणा, भविष्य के लिए संकल्प

हस्तीदेवी जनकल्याणार्थ समिति आज उन चुनिंदा संस्थाओं में शामिल हो चुकी है, जो सेवा ही संकल्प के मंत्र पर कार्य कर रही हैं। संस्था राजनीति, जाति या वर्ग से ऊपर उठकर केवल मानवता की सेवा को अपना लक्ष्य मानती है। डॉ. पवित्रा राव के नेतृत्व में यह एनजीओ आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में और भी बड़े कार्य करने की दिशा में अग्रसर है। कहा जाता है कि एक व्यक्ति की सकारात्मक सोच पूरे समाज की दिशा बदल सकती है, डॉ. पवित्रा राव और उनकी संस्था इसका जीवंत उदाहरण हैं।

संस्था द्वारा किए जा रहे प्रमुख कार्य

सामाजिक सरोकारों में अग्रणी भूमिका, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यों में सहयोग, महिला सशक्तिकरण की प्रेरणा, आर्थिक रूप से कमजोर बेटियों की शादी में सहायता, योग शिविरों का आयोजन, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं नेत्र जांच शिविर, वृद्धजनों का सम्मान एवं सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण अभियान, पशु-पक्षियों के लिए सेवा भाव, सकोरे वितरण, हरियाली तीज जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, बेसहारा एवं जरूरतमंद परिवारों को सहयोग, हस्ताक्षर मिशन एवं साक्षरता अभियान, स्वच्छता पखवाड़ा एवं नशा मुक्ति रैली, साइकिल रैली द्वारा स्वस्थ जीवनशैली का संदेश, गरीब बच्चों के लिए राशन, कपड़े, जूते-स्वेटर वितरण, ग्रामीण क्षेत्र में सरकारी नौकरी की तैयारी के लिए कंप्यूटर युक्त पुस्तकालय, निर्धन एवं प्रतिभाशाली बच्चों को विशेष सहायता और छात्रवृत्ति देना हैं।

स्वच्छ वातावरण में संक्रमित बीमारियां नहीं पनप सकती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सकेंडरी स्कूल में आयोजित एनएसएस शिविर के दूसरे दिन वालियंटरों को संक्रमित बीमारी और स्वच्छता की उपयोगिता से अवगत कराया। कार्यक्रम में एलर्जी रोग विशेषज्ञ डॉ दीपक शर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता को प्राथमिकता देकर बीमारियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रेरित किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य वंदना यादव तथा उप प्राचार्या रेखा यादव ने की है। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम में विभिन्न बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम करना अनिवार्य है। संयमित दिनचर्या का अनुसरण करने से शारीरिक स्फूर्ति और मानसिक तनाव से निजात मिलेगी। उन्होंने तर्क दिया कि स्वच्छता को बढ़ावा देने पर 80 फीसदी बिमारियों पर स्वत ही अंकुश लग जाएगा। इसलिए स्वच्छता को केवल अभियान नहीं, बल्कि जीवन की आदत बनाना चाहिए।

छात्रों का इंग्लिश ओलिंपियाड में शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हर्षिता गौड़

खुशी

दिपांशी

अक्शु

गरिमा

वृंदा

हैप्पी स्कूल के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल इंग्लिश ओलिंपियाड में सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के छह विद्यार्थी गरिमा, खुशी, अक्षु, दीपांशी, हर्षिता गौड़ एवं वृंदा ने इंटरनेशनल प्रथम रैंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कुल 50 विद्यार्थियों में से 47 विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया, साथ ही उन्हें सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस से भी सम्मानित किया। इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे अंग्रेजी विषय के अध्यापक म्युरिश शर्मा एवं आरजू यादव का समर्पित एवं प्रेरणादायक मार्गदर्शन रहा। संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल एवं प्रधानाचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने आशा व्यक्त की है कि विद्यार्थी आगे भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का परचम लहराते रहेंगे।

आरपीएस स्कूल में एनएसएस कैंप में अनुभव साझा किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

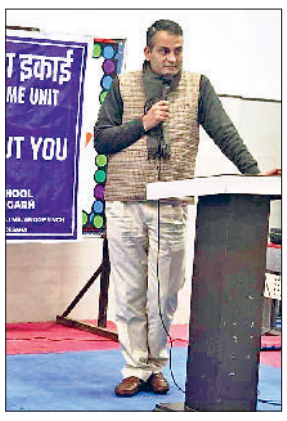

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस स्कूल में एसएसएस के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना व एनएसएस गीत के साथ हुई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि हकेंवि से प्रो. दिनेश चहल ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने एनएसएस के विभिन्न आयामों व योगदानों से छात्रों को परिचित करवाया और एनएसएस में अपने अनुभवों को सांझा किया। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने विद्यार्थियों को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया व भारत की महान सांस्कृतिक विरासत पर गर्व महसूस करने का संदेश दिया। सीईओ मनीष राव ने भी भारत की सांस्कृतिक विरासत के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया।

एकलव्य के 7 शूटरों का इंडिया टीम ट्रायल के लिए चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। एकलव्य एकेडमी के शूटर। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी रोड स्थित एकलव्य स्पोर्ट्स शूटिंग एकेडमी के 15 शूटरों ने 68वें नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में क्वालीफाई किया है। एकेडमी के सचिव सुरेश चौहान एडवोकेट ने बताया कि यह प्रतियोगिता 11 दिसंबर से चार जनवरी तक दिल्ली की डॉ. करनी सिंह शूटिंग रेंज में नेशनल राइफल एसोसिएशन की ओर से आयोजित कराई गई। जिसमें 10 मीटर एयर पिस्टल में एकेडमी के शूटर रोहित तंवर, प्रदीप यादव, तरुण कुंडू, भविष्य, एयंक सेकवाल, खुशी, मनस्वी शर्मा आदि ने नेशनल के साथ टीम इंडिया की ट्रायल्स के लिए भी क्वालीफाई किया है। इनके अलावा 10 मीटर एयर पिस्टल में हरीश चौधरी, बंटी सैनी, भूपेश वर्मा, रवि, पुष्पेंद्र यादव, सचिन यादव, रोहित यादव, गोकलचंद व 50 मीटर पिस्टल में बंटी सैनी, मयंक सेकवाल, हरीश चौधरी, पुष्पेंद्र यादव ने क्वालीफाई किया। वहीं 10 मीटर एयर राइफल में आशीष चौधरी ने क्वालीफाई किया। अब ये शूटर जनवरी में होने वाली ट्रायल्स में भाग लेंगे।

स्वयंसेवकों को किया समाजसेवा के लिए प्रेरित

नारनौल। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दर्गू में सात दिवसीय एनएसएस कैंप के तीसरे दिन राष्ट्रीय गान व एनएसएस गीत के साथ दैनिक दिनचर्या की शुरुआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या कैलाश यादव ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुरेश शर्मा थे। उन्होंने बताया कि बच्चों को समाज के प्रति लोगों को जागरूक व आसपास के वातावरण को साफ और स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि युगल किशोर थे। बच्चों को एनएसएस के बारे में विस्तारपूर्वक बताया व समाजसेवा और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर वरिष्ठ प्रवक्ता आरएस भोपा, सीमा सामरिया एनएसएस प्रभारी, डॉ. कृष्ण यादव, मक्खन राम, दर्शन सैन, मालाराम, महेन्द्र सिंह, प्रेम देवी, दया देवी आदि उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों ने की साफ-सफाई

नारनौल। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्या प्रोमिला यादव के मार्गदर्शन में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन शनिवार को प्रभात फेरी निकाली गई। इसके बाद वंदे मातरम व एनएसएस गीत से प्रार्थना व योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। स्वयंसेविका प्रिया ने कहा कि डिजिटल युग में सजगता व सतर्कता अनिवार्य है। स्वयंसेवक यक्षित शर्मा व विपिन ने साइबर सुरक्षा पर विचार प्रस्तुत किए। प्रवक्ता साकेत यादव ने कहा कि तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें साइबर अपराधों से सुरक्षित रख सकता है। स्वयंसेवक पिंटू, प्रियंका व प्रवक्ता पूनम यादव ने मादक पदार्थों के दुष्परिणाम विषय पर व्याख्यान दिया। कैम्प का संचालन विद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ प्रवक्ता राकेश यादव, बीनू डीपीई, फूलसिंह आदि मौजूद थे।

नारनौल। कैम्प में साफ सफाई करते स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। कैम्प में भाग लेने वाले स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

जैलाफ स्कूल में एनएसएस कैंप आयोजित

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैलाफ में कैंप इंचार्ज धर्म सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे सात दिवसीय विशेष शिविर में विधिक सेवा प्राधिकरण की पैनल अधिवक्ता गिरिबाला यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। प्रातः कालीन सत्र में योगासन व श्रमदान के बाद व्याख्यान सत्र में सर्वप्रथम सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाते हुए उनकी प्रतिमा पर मालार्पण किया गया। इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी छाजूराम ने कहा कि सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका थीं। उन्होंने लड़कियों की शिक्षा के लिए 18 स्कूल खोले। अधिवक्ता गिरीबाला ने निःशुल्क कानूनी सेवाओं व अदालतों पर बोलते हुए कहा कि लोक अदालतों के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर, वंचित, अक्षम वर्ग की महिलाओं, बच्चों को मुफ्त कानूनी सहायता दी जाती है, ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रह सके। सायं कालीन सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रेम पंच, मीना, बाला देवी, रोशनलाल, शर्मिला आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम उच्चतर शिक्षा अधिकारी व प्राचार्या प्रो. डॉ. पूर्णप्रभा के सेवानिवृत्त होने पर सम्मान समारोह का आयोजन

प्राचार्या पूर्णप्रभा व महेंद्र मुदगिल को याद कर भावुक हुआ स्टाफ

कार्यक्रम में हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. डॉ. मीना, महिला प्रकोष्ठ अधिकारी डॉ. पलक ने साहित्यिक व संगीतात्मक अंदाज में प्रस्तुतियों के माध्यम से समारोह को चार चांद लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय महाविद्यालय में जिला की उच्चतर शिक्षा अधिकारी व प्राचार्या प्रो. डॉ. पूर्ण प्रभा के सेवानिवृत्त उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. चंद्रमोहन की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर समस्त स्टाफ सदस्यों ने भावनात्मक वातावरण में उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम में जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा के साथ हाल ही में सेवानिवृत्त हुए प्रोफेसर महेंद्र मुदगिल व सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. राष्ट्रपाल राजकीय महाविद्यालय छिलरो को भी प्राचार्य डॉ. चंद्र मोहन व समस्त महाविद्यालय परिवार ने फूलमालाओं, शॉल व पगड़ी ओढ़ाकर सम्मानित किया।

प्राचार्या प्रो. पूर्ण प्रभा ने जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए जिले के सभी महाविद्यालयों के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि जिले के सबसे बड़े व प्राचीन महाविद्यालय की प्रथम तथा अभी तक की एक मात्र महिला प्राचार्य डॉ. पूर्ण प्रभा ने कॉलेज को सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करके एक स्वर्णिम इतिहास रचा है। प्रोफेसर डॉ. महेंद्र मुदगिल व सेवानिवृत्त प्राचार्य राष्ट्रपाल ने अपने उत्कृष्ट कार्यों से महाविद्यालय को अपनी सेवाएं अर्पित की। महाविद्यालय के वरिष्ठ नरेश यादव ने कहा कि डॉ. पूर्ण प्रभा द्वारा शिक्षा जगत में किए गए नव-नवीन सुधार, प्रशासनिक दक्षता व विद्यार्थियों के लिए शुरू किए गए नई कौशल आधारित कार्यक्रम इस क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

नारनौल। सेवानिवृत्ति पर सम्मानित कर विदाई देते हुए। फोटो : हरिभूमि

मिसाल रहा व्यक्तित्व

प्रोफेसर महेंद्र मुदगिल व सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. राष्ट्रपाल के कार्यों को महाविद्यालय परिवार हमेशा याद रखेगा। सीनियर प्रोफेसर डॉ. मुकेश यादव ने कहा कि डॉ. पूर्ण प्रभा व डॉ. महेंद्र मुदगिल के प्रभावी व्यक्तित्व सदैव साधारणतः की मिसाल रहा है। मंच संचालन प्रो. योगेश कुमार कुमार ने किया। प्रोफेसर डॉ. सतीश सैनी व महाविद्यालय कुलसचिव डॉ. सत्यपाल ने कहा कि डॉ. पूर्ण प्रभा संस्कारवान परिवार से आती हैं। इनके पिता डॉ. ब्रह्मदेव आर्य समाज के प्रधान रहे।

सूचना

मैं, जितेन्द्र सिंह पुत्र जसवंत सिंह, निवासी ग्राम-डाकघर सतनाली, जिला महेन्द्रगढ़, हरियाणा-123024 बयान करता हूं कि मैंने अपने नाम में परिवर्तन कर पूर्व नाम जितेन्द्र सिंह के स्थान पर अब जितेन्द्र सिंह शेखावत रख लिया है। भविष्य में सभी प्रयोजनों हेतु मुझे जितेन्द्र सिंह शेखावत के नाम से जाना व पहचाना जाएं।

खबर संक्षेप

प्रजा भलाई संगठन का प्रदर्शन 6 को

नारनौल। बांग्लादेश में हिन्दुओं की हो रही हत्याओं व अत्याचारों को लेकर इलाके के लोगों में भारी रोष व्याप्त है। इलाके के लोग हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में छह जनवरी को उपमंडल अधिकारी नागरिक कनीना कार्यालय के समक्ष भारी संख्या में एकत्रित होकर धरना प्रदर्शन करेंगे। उक्त दावा प्रजा भलाई संगठन के नेता समाजसेवी अतरलाल ने भोजावास, सुन्दरह, कोका, गुढ़ा, कैमला गांवों में लोगों में धरना प्रदर्शन के लिए आमंत्रित करते हुए व्यक्त किए।

रविदास मंदिर में मनाई सावित्री बाई फुले जयंती

महेंद्रगढ़। भारत मुक्ति मोर्चा बामसेफ एवं गुरु रविदास सेवा समिति ने रविदास मंदिर में माता सावित्रीबाई फुले जयंती मनाई। इस दौरान महिलाओं ने सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डाला और उस समय की व्यवस्था पर कड़ी निंदा की, जिसमें औरत को गुलाम समझा जाता था। शिक्षा के अधिकार से वंचित थे, सती प्रथा, बाल विवाह जैसी प्रथा के कारण उनका जीवन नर्क बना हुआ था, उसे निजात दिलाने के लिए माता सावित्रीबाई फुले ने अपना संपूर्ण जीवन मानव सेवा में लगाया।

वीबीजी राम केंद्र सरकार की सार्थक पहल

महेंद्रगढ़। वीबीजी राम का मतलब विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन द्वारा शुरू किया गया एक नया ग्रामीण रोजगार कानून है। यह मनरेगा की जगह लेगा, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी और कई सुधारों के साथ ग्रामीण विकास को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य से जोड़ने का है। ये विचार कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ. जयलाल यादव ने गांव बवाना व उच्चत में आयोजित किसान गोष्ठी में रखे। उन्होंने बताया कि नए कानून में रोजगार की गारंटी मनरेगा के 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन की गई है।

हवन के साथ अखंड रामायण पाठ सम्पन्न

सतनाली मंडी। कस्बा स्थित श्री भैरव मन्दिर परिसर में चल रहे अखण्ड रामायण पाठ का हवन के साथ समापन हो गया। मंदिर कमेटी प्रधान राजेंद्र शर्मा के सानिध्य में शुक्रवार सुबह मुख्य यजमान पृथ्वी सिंह राठौड़ ने विधिवत पूजन के साथ अखण्ड रामायण पाठ शुरू किया गया था। प्रधान राजेंद्र शर्मा ने बताया कि क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना को लेकर आयोजित रामायण पाठ में पं. अवधेश कौशिक, आलोक लाटा, अनिल पारीक, सुरेश पारीक व राधेश्याम पारीक आदि ने सहयोग किया।

माता सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई

महेंद्रगढ़। सैनी क्षत्रिय सभा द्वारा शनिवार को सैनी सभा भवन में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई गई। समाज के लोगों ने उनके चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया। सभा प्रधान सुरेश सैनी ने बताया कि उनका जन्म तीन जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव में हुआ था। सावित्री बाई ने 1848 में पुणे में प्रथम महिला स्कूल की स्थापना की। प्रधान ने बताया कि मकर संक्रांति पर सभा भवन में एक मीटिंग बुलाने की घोषणा की।

पुलिस ने वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर टेप

नारनौल। जिले में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने व सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस की ओर से एक से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इस वर्ष अभियान की थीम सीख से सुरक्षा, तकनीक से परिवहन रखी गई है। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशानिर्देशों पर उप पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार ने जिले के यातायात प्रबंधक सहित सभी थाना प्रबंधकों को पूरे महीने प्रतिदिन सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि आमजन को सुरक्षित आवागमन के प्रति जागरूक किया जा सके।

प्रदेश में नारनौल का दिन में सबसे कम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रहा

प्रदेश में सबसे ठंडी रही जिला महेंद्रगढ़ की रात, तापमान चार डिग्री दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली के साथ जिला महेंद्रगढ़ में भी भीषण ठंड अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। जिससे सम्पूर्ण इलाके में एक बार फिर से दिन और रात का पारा लुढ़कने लगा है। कुछ स्थानों पर शीत लहर और पाला जमने की स्थिति, जबकि अधिकांश स्थानों पर धुंध कोहरा तथा शीत दिवस की स्थिति देखने को मिल रही है। बता दें कि पश्चिमी मौसम प्रणाली के असर से वातावरण में नमी व आद्रता में बढ़ोतरी और शांत हवाओं से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर धुंध कोहरा वातावरण की ऊपरी सतह तथा निचली सतह देखने को मिल रहा है। जिसकी वजह से सूर्य की रोशनी धुंधली हो गई, जिसके कारण शनिवार को सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर कोल्ड डे की स्थिति देखने को मिली। वहीं उत्तरी बर्फिली सर्द हवाओं से एक बार फिर से रात्रि तापमान में गिरावट जारी है, जिसकी वजह से कुछ स्थानों पर शीत लहर (कोल्ड वेव) और पाला जमने की गतिविधियों को दर्ज किया गया। जिसकी वजह से आमजन ठंड से बचाव हेतु घरों में दुबकने को मजबूर हुए। यानी पश्चिमी मौसम प्रणाली के असर से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में हाड़कंपा देने वाली ठंड का तिहरा प्रहार देखने को मिल रहा है।

मौसम पूर्वानुमान

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि आने वाले दिनों में हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार हाड़कंपा देने वाली ठंड अपने रंग दिखाएगी। अगर हवाएं शांत बनी रही, तो धुंध, कोहरा और कोल्ड डे की स्थिति देखने को मिलेगी। अगर हवाओं की गति में तेजी हुई, तो शीतलहर व पाला जमने की स्थिति देखने को मिलेगी। हालांकि दो नए कमजोर पश्चिमी विक्षोभ छह और नौ जनवरी को सक्रिय होने से मौसम में बदलाव और तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा। हालांकि वर्तमान मौसम पूर्वानुमान मानचित्र के विश्लेषण अनुसार नौ जनवरी से 10 जनवरी के बीच हल्की बारिश व बूंदाबांदी की सम्भावना बन रही है। इसके बाद एक बार फिर हाड़कंपा देने वाली ठंड अपने तेवरों को और अधिक प्रभावी बनाएगी।

मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग ने हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। कहीं हल्का तो कहीं सघन धुंध कोहरा की परत से सम्पूर्ण इलाके में दृश्यता 0-50 मीटर तक दर्ज हुई। जिसकी वजह से यातायात के साधन रेंगने को मजबूर रहें। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में जिला महेंद्रगढ़ में सबसे ज्यादा ठंडी रात दर्ज हुई। यहां महेंद्रगढ़ का रात्रि तापमान 4.0 डिग्री सेल्सियस और नारनौल का 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि भिवानी का रात्रि तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दूसरी तरफ हरियाणा एनसीआर दिल्ली में दिन के तापमान में भी गिरावट जारी है। प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंडा दिन नारनौल का दर्ज किया गया, यहां का दिन का तापमान 14.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकांश स्थानों पर दिन का तापमान 15.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास बने हुए हैं। जिला महेंद्रगढ़ में शीतलहर, कोल्ड वेव और कोल्ड डे की स्थिति देखने को मिल रही है। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन और रात का तापमान क्रमशः 14.0 व 5.0डिग्री सेल्सियस तथा 15.1 व 4.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी रही जारी

जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर प्रशासन के प्रति की नारेबाजी

60 में से 53 कर्मी का एरियर भुगतान अटका, सफाई व्यवस्था चरमराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर में नगर पालिका कर्मचारी अब अनिश्चितकालीन धरने पर चले गए हैं और शहर की सफाई व्यवस्था अब राम भरोसे रहेगी। दो दिन में ही शहर की सड़कों के किनारे कूड़े के ढेर लग गए हैं। शनिवार को भी 53 सफाई कर्मचारियों ने नगर पालिका भवन में धरना दिया और पालिका अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। सफाई कर्मचारी प्रधान पूर्ण कुमार ने बताया कि महेंद्रगढ़ नगर पालिका में 60 सफाई कर्मचारी तैनात हैं। इनमें से 53 कर्मचारियों का एरियर भुगतान अटका हुआ है।

सरकार की ओर से वर्ष 2017 में एरियर की शुरुआत की गई और अब तक कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिल पाया है। उनका तर्क है कि सभी जिलों के कर्मचारियों को एरियर मिल चुका है, लेकिन महेंद्रगढ़ जिले के कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिल पर रहा है। अधिकारी परमिशन नहीं मिलने का नाम लेकर उनको गुमराह कर रहे हैं और एरियर से वंचित रख रहे हैं। नगर पालिका प्रशासन की कमी और झूठे वादों के कारण वे इस लाभ से वंचित हैं। काफी बार वे अधिकारियों से इस बारे में बात कर चुके हैं, लेकिन हर बार झूठा आश्वासन दिया जाता है। अब सब्र का बांध टूट चुका है और नगर पालिका अधिकारियों ने उनको धरने पर जाने के लिए मजबूर किया है। चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होंगी, तब तक वे धरना जारी रखेंगे। इस दौरान शहर में सफाई व्यवस्था चरमराती है या लोगों को परेशानी होती है तो इसके जिम्मेदार नगर पालिका अधिकारी होंगे। साथ हीं उन्होंने सोमवार से भूख हड़ताल करने की चेतावनी दी है। यूनियन प्रधान पूर्ण कुमार ने कहा कि काफी समय से वह प्रशासन को चेताने का प्रयास किया। लेकिन मांगों को अनदेखा करने के विरोध में अब काम छोड़ हड़ताल पर जाने के लिए विवश होना पड़ा है।

महेंद्रगढ़। नगर पालिका कार्यालय में धरने के दौरान उपस्थित कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

बाजारों में कई जगह लगे कूड़े के ढेर

सफाई कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के कारण शहर में दो दिन से न तो सफाई हुई और न ही कूड़ा उठान हुआ। इस कारण हड़ताल के दूसरे दिन शहर के बाजारों में कई जगह कूड़े के ढेर लगे नजर आए। अगर सफाई कर्मचारियों की काम छोड़ हड़ताल लंबी चलती है तो आने वाले दिनों में शहर की व्यवस्था और भी बिगड़ सकती है। शहर में सफाई का पहले से ही बुरा हाल चल रहा है और कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं। शहर के बाजारों, मोहल्ले में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए। जिसके चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर में सदर थाना, सिटी पुलिस थाना, मोहल्ला सैनीपुरा, माता संतोषी देवी मंदिर, मौहल्ल वाल्मीकि, परशुराम चौक, महिला आईटीआई के पास, डुलाना रोड सहित अनेक जगह कूड़े के ढेर नजर आए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सफाई यूनियन प्रधान पूर्ण कुमार, धीरज, रिंकू, शम्मी, सुमित, राजेश, नसीब, विनोद, देवानंद, दीपक, सूबेसिंह, राहुल, गुलशन, चांदराम, सन्नी, घनश्याम, आशु, सुंदर, सुंडाराम, पंकज, राहुल, कविता, आरती, विष्णु, राजकुमार, आशीष सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहें।

स्वास्थ्य अधिकारी ऑनलाइन वर्क स्ट्राइक पर

नारनौल। ऑल इंडिया एसोसिएशन कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (आइको) से यूनियन के प्रधान डॉ गुरप्रीत सीचओ के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश में कार्यरत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी ऑनलाइन वर्क स्ट्राइक पर हैं, क्योंकि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का वेतन पिछले एक वर्ष से नियमित रूप से समय पर नहीं आ रहा तथा हर महीने की तरह इस बार भी दो-तीन महीने की देरी से वेतन मिलने की स्थिति बनी हुई है, वहीं परफॉर्मेंस बेस्ड इंसेंटिव भी करीब पांच से महीने से लंबित है, जिससे सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी नाराज हैं। सीचओ के प्रधान डॉक्टर गुरप्रीत का कहना है कि सरकार द्वारा ऑनलाइन एप्लीकेशन प्लेटफॉर्म लांच होने की वजह से डाटा ऑपरेटर का कार्य भी सीएचओ द्वारा ही किया जा रहा है। हर एक प्रोग्राम को डिजिटलाइज कर दिया गया है और डिजिटाइजेशन सीचओ के द्वारा करने का बार-बार दबाव बनाया जा रहा है। सीचओ आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर कार्यरत है जो की धरातल लेवल पर गांव-गांव में घर-घर तक आयुष्मान आरोग्य मंदिर से मिलने वाली 12 स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा है। इन सभी अनासक कार्य की वजह से सीचओ के द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही है।

प्रदूषण भगाओ, जीवन बचाओ रैली निकाली

नांगल चौधरी। वालियंटरों को प्रोत्साहित करते हुए मुख्य अतिथि रिटायर्ड प्राचार्य महावीर चंदेला। फोटो : हरिभूमि

■ ग्रामीणों को पौधरोपण के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

पीएमश्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दूसरे दिन वालियंटरों ने गांव में प्रदूषण भगाओ जीवन बचाओ रैली निकाली। ग्रामीणों को पौधरोपण के लिए प्रेरित किया तथा मौसम जनित बीमारियों से बचाव के टिप्स दिए हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या कैलाश यादव ने की। वहीं रिटायर्ड प्राचार्य महावीर चंदेला मुख्य रूप से मौजूद रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। बढ़ते प्रदूषण के कारण वायु, जल और भूमि दूषित हो रही है, जिससे अनेक गंभीर बीमारियां जन्म ले रही हैं। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे समाज में स्वच्छता, पौधारोपण, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त वातावरण के लिए लोगों को जागरूक करें। सीनियर प्राध्यापक बिरेंद्र कुमार ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास, जैसे कचरे का सही निस्तारण, पेड़ों की रक्षा और सार्वजनिक स्थानों की सफाई, पर्यावरण को शुद्ध रखने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। एनएसएस प्रभारी सीमा सामरिया एवं डीपीई प्रवेश यादव ने विद्यार्थियों को एनएसएस के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए समाज सेवा को जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आरएस भोपा, डॉ कृष्ण यादव, मक्खन राम, दर्शन सैन, मालाराम, प्रेम देवी, दया देवी उपस्थित रहे हैं।

नारनौल। सावित्रीबाई फुले को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सैनी सभा में सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई

नारनौल। सैनी सभा की ओर से समाज सुधार एवं नारी शिक्षा की अग्रदूत माता सावित्रीबाई फुले की जयंती सैनी सभा प्रांगण में गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत माता सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर की गई। सैनी सभा के प्रधान बिशन सैनी ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले ने उस समय बालिका शिक्षा की अलख जगाई, जब समाज में बेटियों को पढ़ाना स्वीकार्य नहीं था। उन्होंने न केवल शिक्षा का दीप जलाया, बल्कि नारी सम्मान और सामाजिक समानता की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि सैनी सभा सदैव समाज सुधार, शिक्षा के प्रचार प्रसार व नारी सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है और भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने माता सावित्रीबाई फुले के बताए मार्ग पर चलने व समाज में शिक्षा तथा समानता के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस मौके पर सैनी सभा के उपप्रधान रोहतास सैनी, महासचिव निहाल सिंह सैनी, सचिव भारत सैनी, कोषाध्यक्ष बलवंत सैनी, कार्यकारिणी सदस्य कप्तान हरीश सैनी, सूबेसिंह सैनी, मदनलाल सैनी, विजय सैनी, अरुण सैनी, मास्टर नरवर सैनी, डॉ. राजकुमार सैनी के अलावा जेपी सैनी, रामचंद्र सैनी, भगवान दास सैनी, हरीश सैनी, रामनिवास सैनी, वीरेंद्र सैनी, दिनेश सैनी, संजय सैनी, लालचंद सैनी, मानसिंह सैनी, मदनलाल सैनी, प्रिंसिपल हुकुमचंद सैनी, माया सैनी, अनिता सैनी, कमलेश सैनी, मीनाक्षी सैनी, ममता सैनी, हिना सैनी, अंकित सैनी, रेनू शर्मा आदि मौजूद थे।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

सहगल फाउंडेशन का सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नारनौल। एसएम सहगल फाउंडेशन एवं एचडीएफसी बैंक के संयुक्त प्रयास से संचालित परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत महेंद्रगढ़ ब्लॉक के गांव पाल, निहालवास, जासावास, मांडोर ऊंची, कोथल कलां, कोथल खुर्द व नानगवास में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य अपने गांव में साफ सफाई व स्वास्थ्य के लिए जागरूक करना रहा। संस्था के परियोजना समन्वयक रामदिया कश्यप ने बताया कि गांव में जागरूकता के लिए रैली निकाली गई। गांव की गलियों में झाड़ू लगाकर सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस मौके पर कृष्ण कुमार, पुष्पा, अनुज, सोनम, पूजा, विरेन्द्र, चरण सिंह, मोहित, संजय, सौरभ पाण्डे व राजकुमार उपस्थित रहे।

देश की प्रथम महिला शिक्षिका को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आधुनिक भारत की पहली महिला शिक्षिका व समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती समारोह का आयोजन सिटी मैरिज प्लेस में सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें सभी पदाधिकारियों ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। बैठक का संचालन समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल ने किया। इस मौके पर हरियाणा प्रदेश चमार महासभा के जिलाध्यक्ष अनिल फाण्डन, कोषाध्यक्ष प्यारेलाल चवन, पूर्व प्राचार्य अमर सिंह निम्होरिया, समाजसेविका सुनिता वर्मा, भूपसिंह भारती, जन जाग्रति मंच के प्रधान जसवंत भाटी, मास्टर ताराचंद आदि ने कहा कि सावित्रीबाई का संघर्ष केवल शिक्षा तक ही सीमित नहीं था, बल्कि इन्होंने छुआछूत, बाल विवाह व सती प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफ डटकर लड़ाई लड़ी। समारोह में अखिल भारतीय आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष लालाराम नाहर, गुरु रविदास सभा के पूर्व प्रधान बलबीर सिंह बबेरवाल, प्रदेश लेखा सचिव रामकुमार ढैणवाल, मानव समाजसेवा फाउंडेशन के प्रधान जयपाल सिंह आदि मौजूद थे।

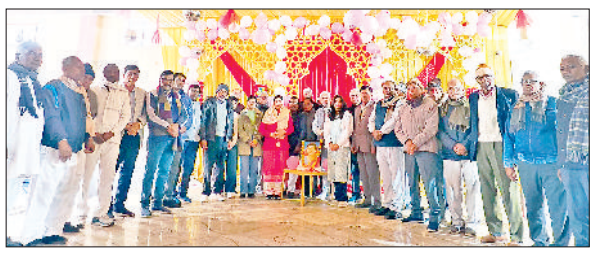

नारनौल। सावित्रीबाई फुले को नमन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पुस्तक को लिखने में कई वर्षों का अध्ययन, अभिलेखागारों की खोज और स्थानीय जनश्रुतियों का लिया गया सहारा

'बैटल ऑफ नारनौल' पुस्तक परिचय एवं लेखक सम्मान समारोह का आयोजन

विधायक ने कहा कि नारनौल का इतिहास गौरवशाली रहा है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

लक्ष्य फाउंडेशन की ओर से ऐतिहासिक और शैक्षणिक चेतना को जागृत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पुस्तक 'बैटल ऑफ नारनौल' के परिचय एवं लेखक सम्मान समारोह का आयोजन शुक्रवार रात किया गया। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में हुए इस कार्यक्रम में इतिहास प्रेमियों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों एवं समाजसेवियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में पुस्तक के लेखक कुलप्रीत यादव एवं मधुर राव विशेष रूप से नारनौल पधारे। दोनों लेखकों ने 'बैटल ऑफ नारनौल' पुस्तक के माध्यम से नारनौल के ऐतिहासिक युद्ध, उसके सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रभावों को गहन शोध के साथ प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक क्षेत्र के इतिहास को समझने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मील का पत्थर मानी जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि नारनौल का इतिहास गौरवशाली रहा है, लेकिन दुर्भाग्यवश इसकी अनेक ऐतिहासिक घटनाएं पुस्तकों में सीमित रूप से ही दर्ज हो पाई हैं। 'बैटल ऑफ नारनौल' जैसी पुस्तकें इतिहास को जीवंत करने का कार्य करती हैं और युवाओं को अपनी विरासत से जोड़ती हैं। उन्होंने लेखकों के शोध कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

आयोजन समिति की ओर से जानकारी देते हुए फाउंडेशन के जनरल सेकेट्री सोमेश यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पुस्तक का विमोचन या परिचय कराना नहीं, बल्कि इतिहास लेखन को प्रोत्साहित करना और स्थानीय इतिहास को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। उन्होंने कहा कि "नारनौल की धरती वीरता, बलिदान और संघर्ष की साक्षी रही है। 'बैटल ऑफ नारनौल' पुस्तक उस इतिहास को सहेजने का सशक्त माध्यम है।

नारनौल। लेखकों को स्वागत करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

दोनों लेखकों को शॉल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया

लेखक कुलप्रीत यादव ने अपने वक्तव्य में पुस्तक के लेखन की प्रक्रिया, शोध के दौरान सामने आए ऐतिहासिक तथ्यों और दस्तावेजों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक को लिखने में कई वर्षों का अध्ययन, अभिलेखागारों की खोज और स्थानीय जनश्रुतियों का सहारा लिया गया है। वहीं सह-लेखक मधुर राव ने बताया कि इस पुस्तक का उद्देश्य केवल इतिहास बताना नहीं, बल्कि उस दौर की परिस्थितियों को समझाकर पाठकों को सोचने पर मजबूर करना है। कार्यक्रम के दौरान दोनों लेखकों को शॉल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में मौजूद शिक्षाविदों और वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में जब युवा वर्ग अपने इतिहास से दूर होता जा रहा है, ऐसे आयोजनों की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। 'बैटल ऑफ नारनौल' जैसी पुस्तकें न केवल इतिहास को संरक्षित करती हैं, बल्कि समाज में आत्मगौरव और पहचान की भावना भी पैदा करती हैं। कार्यक्रम के अंत में सोमेश यादव की ओर से सभी अतिथियों, लेखकों और उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 4 जनवरी 2026

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप श्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगतिः इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरोः इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूतः डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्सः संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूजः इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है।

'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

इंडोनेशिया

अगर आपको पर्यटन का शौक है और आप देश-विदेश के चुनिंदा लोकेशंस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग देशों में स्थित इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस की सैर जरूर करनी चाहिए। इन विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशंस की खासियतों को खुद के अनुभव से लेखक साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

टूरिज्म
समीर चौधरी

5 फैमिली के संग घूम आइए अमेजिंग टूरिस्ट डेस्टिनेशंस

अब तक मैं 125 से अधिक देशों की यात्रा कर चुका हूं और इस अनुभव से मेरा यकीन पुख्ता हुआ है कि दुनिया को समझने का सबसे विश्वसनीय रास्ता पर्यटन ही है। अपने तजुर्बे की रोशनी में मेरा सुझाव है कि अगर आप इस साल विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं तो इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस को प्राथमिकता दे सकते हैं, क्योंकि इन स्थलों पर प्रकृति, संस्कृति और परिवर्तनीय अनुभवों को वास्तव में महसूस किया जा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में क्रुगर नेशनल पार्क

मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट

फिजी

फिनिक्स पार्क डबलिन सिटी सेंटर

इंडोनेशिया मिलेंगे विविधरंगी अनुभवः इंडोनेशिया दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिनमें आकर्षण व दिलचस्पी का हर रंग देखने को मिल जाता है। यहां बोर्नियो में ओरंगुटान को उनके प्राकृतिक स्थलों में देखने के बाद आपको वन्यजीव संरक्षण के वास्तविक महत्व का एहसास होगा। फ्लोर्स में सक्रिय ज्वालामुखी, परंपरागत गांव और अविश्वसनीय नीले सागर एक विशिष्ट सांस्कृतिक और प्राकृतिक यात्रा का अनुभव कराते हैं। पश्चिम में लोंबोक में आपको मिलेंगे रिंजानी जैसे ज्वालामुखी, शासक संस्कृति, सुंदर झरने और शांत समुद्री तट, जहां बाली की तरह पर्यटकों की भीड़ नहीं होगी और पास में ही गिल द्वीप (विशेषकर गिल एयर और गिल मेनो) में साफ-स्वच्छ जल, सी टर्टल और आरामदायक वातावरण का जन्नत है, जो दक्षिणपूर्व एशिया में अब लगभग लुप्त हो चुका है। इंडोनेशिया में आप विशेष रूप से तनजुंग पुटिंग, केलिमुतु, कोमोडो, रिंजानी, तिउ केलेप, सेंदांग गिले, गिल एयर और गिल मेनो को जरूर देखें। लोंबोक और गिल जाने के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर है, जबकि बोर्नियो और फ्लोर्स के लिए जून से सितंबर। आपको इंडोनेशिया इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि यहां आपको जीवित संस्कृति, ज्वालामुखी, स्वप्निल समुद्री तटों और संसार में कुछ सबसे विशेष अनुभवों का संगम देखने को मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका दिखेगा वाइल्डलाइफ का बेहतरीन नजाराः दक्षिण अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध क्रुगर नेशनल पार्क तो देखने के लिए है ही। इसके अलावा भी बहुत कुछ देखने के लिए वहां है। एक अलग मार्ग केपटाउन में आरंभ होता है और फिर स्टेल्लनबोश व फ्रांसचोक के अंगूरों के खेतों से होता हुआ समारा और ग्रेट कारु तक जाता है। फिर वहां से आप किंबर्ले के लिए फ्लाइट ले सकते हैं और कालाहारी जा सकते हैं। वहां शानदार सफारी का आनंद भी आप उठा सकते हैं। 'वर्किंग विद वाइल्डलाइफ' जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में संचालित हैं, जो विभिन्न समुदायों और जीव प्रजातियों के संरक्षण में मदद करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में पर्यटन के लिए सबसे अच्छा समय मई से सितंबर तक है और विशेष रूप से आपको समारा, कारु नेशनल पार्क, केप वाइनयार्ड्स और कालाहारी देखने चाहिए।

फिजी आकर्षक सांस्कृतिक विविधता का देशः अपनी मेहमाननवाजी, शुद्ध प्राकृतिक वातावरण और सांस्कृतिक विविधता के लिए मशहूर फिजी की यात्रा आपके लिए निश्चित तौर पर यादगार अनुभवों से भरी होगी। यहां के अंदरूनी गांवों में खासतौर से मिलने वाले कावा (एक विशेष प्रकार का पेय) का स्वाद और अनुभव फिजी आने वाले पर्यटक जरूर लेते हैं। कावा एक अनोखा पेय होने के साथ-साथ फिजी के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक-सा बन गया है। फिजी की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर तक माना जाता है। फिजी यात्रा के दौरान आपको यसावा, विती लेवु व मोनुरिकी अवश्य देखना चाहिए। फिजी आपको इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि इसके आकर्षक सी बीच, आपको यहां की अति सुंदर संस्कृति से जोड़ते हैं।

न्यूयॉर्क सिटी अमेजिंग सेंट्रल पार्क के लिए प्रसिद्धः अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में स्थित सेंट्रल पार्क न सिर्फ दुनिया भर के सिटी पार्कों के लिए अच्छी मिसाल है बल्कि मेनहट्टन के बीच में स्थित यह स्थान अपने आपमें सेलेब्रिटी स्टेटस रखता है। पार्क का दक्षिणी हिस्सा न्यूयॉर्क सिटी और उसके रईस सबअर्ब की याद दिलाता है। उत्तरी हिस्सा अपने पहाड़ों, पेड़ों व बेंचों के कारण इस शहर के अतीत की याद दिलाता है। इस मास्टरपीस का आनंद लेने के लिए खुले मैदान में बैठें, झील के पास ब्रेक लें, स्ट्रॉबेरी खेतों के पास रुकें जो जॉन लेनन की याद में हैं या जाड़े में आइस स्केटिंग करें। जिन पर्यटकों को कला, प्रकृति और विज्ञान में दिलचस्पी है, वे मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट और अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में जा सकते हैं, जो पार्क के बीच के हिस्से में ही स्थित हैं।

फिनिक्स पार्क शोर-शराबे से दूर नेचर के करीबः आयरलैंड के डबलिन सिटी सेंटर के निकट ही फिनिक्स पार्क स्थित है। लिफ्फेय नदी के साथ वाली सड़क पर डबलिन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट द्वारा यहां तक पहुंचने में 20 मिनट लगते हैं। फिनिक्स पार्क आपको शोर-शराबे से बहुत दूर ले जाता है। इसकी झील के पास आपको सैकड़ों जंगली हिरण घूमते हुए मिल जाएंगे, जिनसे आपकी नजर नहीं हट सकेगी। यहां पापल क्रॉस, वेलिंगटन स्मारक और सेंट थॉमस हिल के ऊपर तारे के आकार का मैगजीन फोर्ट जैसे स्मारक भी दर्शनीय हैं। इनके अलावा एक्लेक्टिक फार्मलीग हाउस भी देखने योग्य है। *

नए साल में करिए खुद को ऐसे अपडेट

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

नए साल का आगाज हो चुका है। आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस नए साल में खुद को अपडेट करने के लिए क्या कुछ ऐसा करें, जिससे आपकी ओवरऑल पर्सनालिटी में निखार आए, आपके करियर को भी एक नया मुकाम हासिल हो। इसके लिए कुछ उपयोगी सलाह।

आपने देखा होगा कि समय-समय पर शोरूम, पत्र-पत्रिकाएं, बड़े ब्रांड्स आदि अपने कलेवर बदलते और दुरुस्त करते रहते हैं, खुद को रिन्यू करते रहते हैं। वास्तव में रीब्रांडिंग, रीन्यूअल और रेनोवेशन एक सतत प्रक्रिया है। एक व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। इसकी शुरुआत अभी शुरू हुए नए साल से भी की जा सकती है।

नया माइंडसेट : हमारा दिमाग मांसपेशी की तरह होता है। इसे जितनी चुनौती, मशक्कत और वर्जिश देंगे, यह उतना ही मजबूत होगा। इसलिए इसे नयापन या स्ट्रेंथ देने के लिए ऐसी नई स्किल्स सीखें, जिससे दिमाग की कसरत होती हो। जैसे कोई नई भाषा सीखें, पब्लिक स्पीकिंग की प्रैक्टिस करें, कोडिंग या कोई नया आर्ट सीखें। रोज सुबह एक नोटबुक में लिखें कि बीते कल आपने क्या नया महसूस किया, देखा या सीखा? दिन में जब फुर्सत मिले, 5-10 मिनट का कोई ऐसा पॉडकास्ट देखें, जो किसी नए और दिलचस्प विषय पर आधारित हो।

नई बॉडी-स्ट्रेंथः आपका शरीर सतत क्रियाशील रहता है। जाहिर है, इससे ऊर्जा का क्षय होता है और शरीर में थकान व दुर्बलता भी आती है। इसलिए इसे समुचित ऊर्जा और पोषण रूपी ईंधन की जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट में बहुरंगी सब्जियां और फल शामिल करें, पौष्टिक अनाज, दूध, दही, दालें आदि अवश्य लें। एक्सरसाइज, वॉक, जॉगिंग, साइक्लिंग जैसी एक्टिविटीज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

नई स्किलः ज्यों-ज्यों समय बीतता है आपका शरीर ही नहीं, आपका टैलेंट, नॉलेज और स्किल भी बहुत हद तक पुराना और आउटडेटेड होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि आप इन्हें भी समय के साथ अपडेट करते रहें। आपको इस साल कुछ ऐसी स्किल सीखनी चाहिए, जो आपकी दिलचस्पी की हों और जरूरत की भी। आने वाले समय में ग्राफिक डिजाइनिंग, स्टॉक ट्रेडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, कॉपीराइटिंग जैसे स्किल्स आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकते हैं।

नए संबंधः बदलते परिदृश्य, बदलते ट्रेंड और बदलते परिवेश के हिसाब से आपको अपने आस-पास के लोगों का दायरा भी अपडेट करना पड़ता है। आज की दुनिया में सोशल कनेक्शन बहुत जरूरी है। बड़ा सोशल नेटवर्क आपको फायदा पहुंचाएगा। आपको अपनी दिलचस्पी और जरूरत के मुताबिक नए लोगों से मेल बढ़ाना चाहिए, जो आपको मोटिवेट कर सके, व्यापारिक या प्रोफेशनल लाभ पहुंचा सकें और जिनसे आप कुछ नया सीख सकें।

सेल्फ अवेयरनेसः पर्सनालिटी डेवलपमेंट के प्रमुख घटकों में से एक है सेल्फ अवेयरनेस। सेल्फ अवेयरनेस के माध्यम से आप अपने मूल्यों, कमियों और खूबियों के बारे में अधिक जान सकते हैं, जिससे आपको अधिक सार्थक लक्ष्य बनाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। यह गुण आपको उन विशेषताओं को स्वीकार करने और पूरी तरह से समझने में सक्षम बनाता है, जो आपको विशिष्ट बनाती हैं। आत्म-जागरूकता (सेल्फ अवेयरनेस) दूसरों के साथ सरस और सार्थक रिश्ते बनाने की आपकी क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

माइंडफुलनेस का अभ्यासः ध्यान देना यानी माइंडफुलनेस सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की महत्वपूर्ण नीति है। ध्यान देने का अर्थ है, अपने विचारों और भावनाओं के प्रति जागरूकता बनाए रखना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना। भावनात्मक नियंत्रण में सुधार, तनाव का स्तर कम होना और फोकस की अवधि बढ़ना जैसे कई फायदे आपको माइंडफुलनेस के अभ्यास से मिलते हैं।

उपयोगी आदतेंः हर व्यक्ति की पहचान उसकी अपनी आदतों की वजह से भी बनती है। आपको कुछ ऐसी आदतें सीखनी चाहिए जो आपकी हेल्थ, पर्सनालिटी और आर्थिक रूप से भी आपको इंप्रूव करती हों। जैसे- रोजाना पर्याप्त पानी पीना, रोज किसी किताब के कम से कम पांच पेज पढ़ना, रोज सुबह जाकर 5 से 5:30 के बीच जागकर ब्रीदिंग एक्सरसाइज, वॉक आदि करना। बाजारू खाना त्याग कर घर का ताजा भोजन करना। बिजनेस न्यूज चैनल देखना और बिजनेस पत्रिकाएं पढ़कर आर्थिक मोर्चे पर खुद को नियमित अपडेट करना। आर्थिक खबरों, नई सरकारी नीतियों से रूबरू रहना। *

विशेषः विश्व ब्रेल दिवस 4 जनवरी

जानकारी
अंजू जैन

दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में लुई ब्रेल ने नई आशा का संचार ब्रेल लिपि के जरिए किया था। क्या है ब्रेल लिपि, इसका महत्व और उद्देश्य क्या है? आज 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं विस्तार से।

दृष्टिबाधितों के जीवन में ब्रेल लिपि से फैला उजाला

आपने क्या कभी सोचा है कि अगर हमारी आंखों के सामने अंधेरा हो, तो हम किताबें या अपनी पसंदीदा कहानियां कैसे पढ़ेंगे? हम रंगों को कैसे पहचानेंगे या गणित के सवाल कैसे हल करेंगे? दुनिया में लाखों ऐसे लोग हैं, जो देख नहीं सकते, लेकिन वे हमारी-आपकी तरह ही पढ़ते हैं, लिखते हैं और कंप्यूटर चलाते हैं। यह सब मुमकिन होता है 'ब्रेल लिपि' की सुविधा से।

लुई ब्रेल

क्यों मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः वर्ष 2019 से हर साल 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षा, संचार और सामाजिक समावेश के लिए ब्रेल लिपि (स्पर्शनीय लेखन प्रणाली) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसी दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती होती है। लुई का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के एक छोटे से गांव में हुआ था। जब वे मात्र 3 साल के थे, तो अपने पिता की कार्यशाला में औजारों से खेलते समय उनकी आंखों में चोट लग गई और धीरे-धीरे उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। लुई पढ़ना चाहते थे, लेकिन उस समय नेत्रहीनों के लिए पढ़ाई बहुत मुश्किल थी। उन्होंने हार नहीं मानी और मात्र 15 साल की उम्र में एक ऐसी भाषा तैयार की, जिसे छूकर पढ़ा जा सकता था। उन्हीं के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र ने 2019 से हर साल 4 जनवरी को आधिकारिक तौर पर 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाने की शुरुआत की।

कुछ इस तरह मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः इस अवसर पर स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जहां लोगों को ब्रेल लिपि के बारे में बताया जाता है। ब्रेल पढ़ने और लिखने की प्रतियोगिताएं होती हैं। दृष्टिबाधित लोगों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की जाती है, ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके।

क्या है ब्रेल लिपिः ब्रेल कोई भाषा नहीं, बल्कि एक 'कोड' या 'लिपि' है। इसे कागज पर उभरे हुए बिंदुओं के जरिए पढ़ा जाता है। इसमें कुल 6 बिंदु होते हैं। इन 6 बिंदुओं को अलग-अलग क्रम में सजाकर अक्षर, संख्याएं और संगीत के संकेत बनाए जाते हैं। नेत्रहीन बच्चे अपनी अंगुलियों के पोरों से इन उभरे हुए बिंदुओं को छूकर महसूस करते हैं और तेजी से पढ़ लेते हैं।

ब्रेल लिपि, दृष्टिहीनों को पढ़ने का मौका तो देती ही है, इससे उनके जीवन और उनके प्रति लोगों के नजरिए में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलते हैं। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन यानी 'विश्व ब्रेल लिपि दिवस' की शुरुआत इसलिए की, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि हर किसी को, चाहे वह देख सकता हो या नहीं, शिक्षा, सूचना और संचार का समान अधिकार है।

ज्ञान, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरताः ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण दरवाजा है। इसके बिना उनके लिए किताबें पढ़ना, स्कूल जाना या कंप्यूटर इस्तेमाल करना बहुत मुश्किल होता। जबकि इसके माध्यम से वे पढ़-लिखकर शिक्षक, तकनीक विशेषज्ञ, कलाकार आदि जो चाहे बन सकते हैं और समाज में कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। ऐसे अनेक दृष्टिबाधित सफल लोगों के उदाहरण हमें देखने-सुनने को मिलते रहते हैं।

आसान हुआ दैनिक जीवनः बैंक नोटों पर उभरे हुए प्रतीकों के रूप में ब्रेल लिपि का इस्तेमाल किया जाता है। दवाइयों के लेबल पर और सार्वजनिक स्थानों पर दिशा बताने वाले संकेतों पर भी ब्रेल लिपि उभरी होती है। आजकल रेलवे टिकट पर भी कई जगह ब्रेल लिपि दी जाती है। ब्रेल लिपि के इस तरह के इस्तेमाल से दृष्टिबाधित लोगों का जीवन बहुत हद तक आसान हुआ है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए कुछ और भी उपकरण उपलब्ध हैं, जिनसे उनको पढ़ने में सुविधा होती है।

रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्लेः ये छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं, जिनमें पिनों की पंक्तियां होती हैं, जो ऊपर-नीचे होकर ब्रेल के बिंदु बनाती हैं। जब आप कंप्यूटर, फोन या टैबलेट से कनेक्ट करते हैं, तो यह डिजिटल टेक्स्ट को तुरंत ब्रेल में दिखाता है, और आप एक बटन दबाकर अगली लाइन पर जा सकते हैं।

ब्रेल ई-रीडरः ये विशेष उपकरण होते हैं जो सीधे डिजिटल ब्रेल किताबें (ऑनलाइन लाइब्रेरी से डाउनलोड की गई) पढ़ सकते हैं। इनमें नोट्स लेने, कैलकुलेटर और फाइल मैनेजर जैसे इन बिल्ट फीचर्स भी हो सकते हैं, जो इन्हें पोर्टेबल बनाते हैं।

ब्रेल नोट टेकरः ये छोटे पोर्टेबल डिवाइस होते हैं जिनमें ब्रेल की-बोर्ड और डिस्प्ले होता है। ये नोट्स लेने, कैलेंडर और ईमेल जैसी सुविधाओं के साथ आते हैं और वाई-फाई के जरिए क्लाउड से जुड़ सकते हैं। *

बहुत सुविधाजनक है डिजिटल ब्रेल

डिजिटल ब्रेल, दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि को इलेक्ट्रॉनिक रूप में पढ़ने और लिखने का एक आधुनिक तरीका है। यह रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले और ब्रेल ई-रीडर जैसे उपकरणों के माध्यम से संभव होता है, जो डिजिटल टेक्स्ट (जैसे कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट से) को पिन की मदद से उभरे हुए ब्रेल अक्षरों में बदलते हैं। इस तरह वे ऑनलाइन जानकारी, किताबें और दस्तावेज आसानी से एक्सेस कर पाते हैं और इससे उन्हें शिक्षा और अपने काम में बहुत मदद मिलती है।

सिने ट्रेंड-2026
अशोक जोशी

हालांकि बीता साल बॉलीवुड के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा। लेकिन इस साल कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। यह देखना रोचक होगा कि इस साल कौन-कौन सी फिल्में दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरेंगी।

बॉलीवुड के लिए बहुत उम्मीदों भरा है यह साल

बॉलीवुड में हर साल बड़ी संख्या में फिल्में रिलीज होती हैं। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो रिलीज फिल्मों में से कुछ ही फिल्मों को बड़ी सफलता मिल पाती है। अब पिछले साल प्रदर्शित फिल्मों पर नजर दौड़ाएं तो 'सैयारा', 'छावा' और 'धुरंधर' जैसी कुछ फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो सकीं। पिछले साल रिलीज्ड और सक्सेसफुल फिल्मों के बीच बड़ा अंतर होने के बावजूद निर्माताओं को इस साल अपनी फिल्मों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

रिलीज होंगी बिग स्टार्स की फिल्मेंः नए साल में बिग स्टार्स की कुछ धमाकेदार फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सनी देओल, धर्मेंद्र दोनों अलग-अलग फिल्मों में नजर आएंगे। साथ ही प्रभास के साथ संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ एक और जोड़ी है जिसकी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और वो हैं थलापति विजय और बॉबी देओल।

साल की शुरुआत 'इक्कीस' सेः 'इक्कीस' फिल्म में धर्मेंद्र आखिरी बार नजर आए हैं। उनका बीते नवंबर निधन हो गया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं। साल के पहले ही दिन रिलीज हो चुकी इस फिल्म के प्रचार में धर्मेंद्र को हाईलाइट किया गया है। 'इक्कीस' में जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर, विवान शाह भी नजर आ रहे हैं। फिल्म को डायरेक्ट किया है श्रीराम राघवन ने।

इन साउथ-सुपर स्टार्स की फिल्मों में होगा क्लैशः इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 9 जनवरी को साउथ के दो बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में रिलीज हो रही हैं। इस दिन जहां एक ओर 'बाहुबली' फेम प्रभास की 'राजा साब' रिलीज होने वाली है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, जरीना बहाव, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, कियारा आडवाणी जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। दूसरी तरफ 9 जनवरी को ही साउथ के एक और सुपरस्टार थलापति विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' रिलीज होगी। यह विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद वह अपना पूरा समय राजनीति में देंगे। इस फिल्म में विजय के साथ बॉबी देओल और पूजा हेगड़े भी दिखेंगे।

आएंगे कई सुपरहिट फिल्मों के सीक्वलः किसी भी सुपरहिट फिल्म के सीक्वल को प्रायः सफलता की गारंटी माना जाता है। इस साल भी कई सफल फिल्मों के सीक्वल सिने प्रेमियों को देखने को मिलेंगे। जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' इसी महीने 23 जनवरी को रिलीज हो रहा है। फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी नजर आने वाले हैं। बीते दिनों सनी देओल की 'गदर 2' ने खूब कमाई की थी। कुछ ऐसी ही उम्मीद 'बॉर्डर 2' से भी की जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' की कहानी दर्शकों को थिएटर तक खींच पाती है या नहीं? आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी।

इसी साल सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' का भी सीक्वल 'एनिमल पार्क' रिलीज होने जा रही है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 'एनिमल' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'एनिमल पार्क' में और भी ज्यादा थ्रिल और इमोशन दिखाए जाने की उम्मीद है।

इन फिल्मों से भी हैं बड़ी उम्मीदेंः इस साल रिलीज होने वाली संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' से भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल और यश की मुख्य भूमिका वाली बिग बजट फिल्म 'रामायण' का भी इस साल दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहेगा। दो पार्ट में रिलीज होने वाली 'रामायण' का पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान जी और यश रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

आएंगी सलमान-शाहरुख की फिल्मेंः इस वर्ष लगभग तीन साल बाद शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित 'किंग' में शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ पहली बार दिखेंगे। इसके अलावा सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' 2020 में भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित फिल्म है। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। *